ont>

Title: Need for a CBI enquiry into alleged murder of a reporter of Daily newspaper `Amar Ujala`.

श्री रवि प्रकाश वर्मा (खीरी) : अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ समय से संगठित अपराध माफिया द्वारा नियोजित तरीके से पत्रकारों की हत्या किए जाने के समाचार प्रकाश में आए हैं। मेरे खीरी संसदीय क्षेत्र में अमर उजाला समाचार पत्र के संवाददाता श्री चन्द्रभान चौरसिया की दिनांक 9 जनवरी, 2003 को शाम गोली मार कर हत्या कर दी गई। क्योंकि उन्होंने भ्रट पुलिस प्रशासन, संगठित अपराधियों तथा भ्रट राजनेताओं के गठबंधन को उजागर करने के लिए समाचार लिखे थे। एक अन्य पत्रकार श्री देवेन्द्र प्रकाश मिश्र, संवाववादता, अमर उजाला को इसी माफिया द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। इस मामले का सबसे दुखद पहलू यह है कि पुलिस द्वारा अपराधियों के तंत्र को संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। असली अपराधियों को जेल भेजने की बजाए आनन-फानन में बेगुनाहों को जेल भेजकर मामले की फाइल बंद कर दी गई है। जबकि असली मुजरिम प्रकाश में आ चुके हैं।

जनपद खीरी सीमावर्ती जनपद है। मझे आशंका है कि इस क्षेत्र में अपराध माफिया के पैर जमा लेने तथा भ्रट प्रसासनिक अधिकारियों द्वारा उन्हें संरक्षण दिए जाने के दूरगामी परिणाम अत्यंत ही घातक होंगे। अतः सदन के माध्यम से सरकार से यह अनुरोध है कि पत्रकार चन्द्रभान चौरसिया की हत्या किए जाने के समूचे प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने का कट करें, जिससे कि भ्रट राजनेता, भ्रट पुलिस अधिकारी एवम् अपराधियों के नैक्सेस से पर्दा उठ सके। पूरे जनपद से नागरिकों तथा पत्रकार संगठनों ने भारत सरकार को, प्रधान मंत्री महोदय को, राट्रपति महोदय को अपना संदेश भेजा है, प्रतिवेदन भेजे हैं। उस पर तत्कार कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए।

अध्यक्ष महोदय : चौबे जी, आपने जो प्रश्न उपस्थित किया है, महत्वपूर्ण प्रश्न है। लेकिन इस प्रश्न के बारे में राज्य सरकार से इंफार्मेशन मांगी है, जो अभी तक नहीं आई है। इंफार्मेशन आने के बाद तुरंत मैं आपको जो कुछ कहना है, वह कहने की इजाजत दूंगा। मैं समझता हूं कल तक इंफार्मेशन आनी चाहिए। मैं फिर एक बार उन्हें आज फैक्स भेज देता हूं।